वि.वि. अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा छः दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का "मत्स्य स्वास्थ्य एवं मत्स्य रोग प्रबंधन इन ट्रिपिक्स" विषय पर आयोजन दिनांक 09 से 14 सितंबर 2020 तक किया जा रहा है। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न स्थानों से इस विषय के 17 विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने व्याख्यान दिये जा रहे है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. जे. के. जैना, डी.डी.जी. फिशरीज, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली ने विशिष्ट संदेश दिया। कार्यशाला के मार्गदर्शक एवं वक्ता डॉ. वी.पी. मोहंती (ए.डी.जी. फिशरीज) आई.सी.ए. आर. नई दिल्ली, द्वारा प्रतिभागियों को विशिष्ट संदेश दिया कि संबंधित विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। जिससे कि हम मछली के रोगों का बेहतर प्रबंधन एवं उपचार करके मछली की मृत्युदर को कम कर सकते है एवं मत्स्य उत्पादन को बढ़ा सकते है। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय इस संबंध में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहता है जो सराहनीय है।

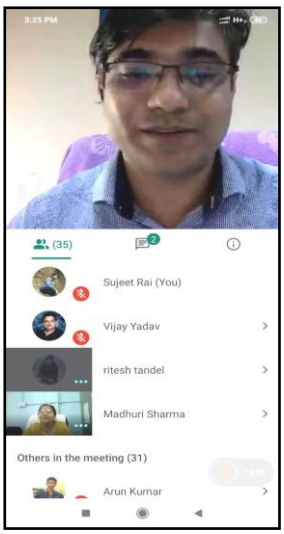

कार्यशाला के प्रथम दिवस पर डॉ. के.वी. राजेनद्रन, सी. आई.एफ.ई मुंबई द्वारा झींगा रोग प्रबंधन एवं डॉ. के. पानी प्रसाद प्रधान वैज्ञानिक सी.आई.एफ.ई. द्वारा विषाणु रोग प्रबंधन पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। मत्स्य बीज एवं रोग प्रबंधन तीनों ही जलकृषि के स्तंम्भ है। विभिन्न रोग कारकों जैसे बैक्टेरिया, वायरस फंगस एवं परजीवी के प्रभाव से मत्स्य पालन में मृत्यु दर ज्यादा होने की संभावना रहती है। मत्स्य उत्पादन में मछली का रोग मुक्त एवं स्वस्थ्य रहना बहुत आवश्यक है। उनके उपचार से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

बीज एवं रोग प्रबंधन तीनों ही जलकृषि के स्तंम्भ है। मत्स्य पालन में मत्स्य भोजन पानी एवं मत्स्य बीज संग्रहण की गुणवत्ता को विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न रोग काराकों जैसे बैक्टेरिया, वायरस फंगस एवं परजीवी के प्रभाव से मत्स्य पालन में मृत्यु दर ज्यादा होने की संभावना रहती है। मत्स्य उत्पादन में मछली का रोग मुक्त एवं स्वस्थ्य रहना बहुत आवश्यक है। उनके उपनचार से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश पर प्रकाश डाला गया है। इस कार्यशाला में छात्र, उद्यामियों, शिक्षकगणें के अलावा शोध छात्र सम्मिलित हो रहे है। जिससे इसका पूर्ण लाभ मत्स्य पालकों को मिल सके।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस में तीन विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गये, जिसमें डॉ. टन्डल रीतेश कुमार शांतिलाल, डी.सी.एफ.आर. भीमताल द्वारा "मछली में कवकों द्वारा होने वाले रोग एवं उनका उपचार" तथा डॉ. मेघा बेडेकर कदम द्वारा "मछली के स्वास्थ्य प्रबंधन में टीका (वैक्सीन) का महत्व" पर एवं डॉ. गदाधर दास द्वारा मछलियों में होने वाले परजीवीकारक रोग एवं उनके उपचार पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं अध्यक्ष डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता संकाय एवं अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा नेतृत्व में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की आयोजन संयोजक डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा डॉ. प्रीती मिश्रा द्वारा आभार व्यक्त किया गया एवं डॉ. शरद सुरनार का विशेष सहयोग रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.चि.वि.वि., जबलपुर